और वाकई स्टॅनली



क्रॉस्बी बोन्सॉल

हिंदी: प्रयाग अविनाश जोशी

और वाकई स्टॅनली

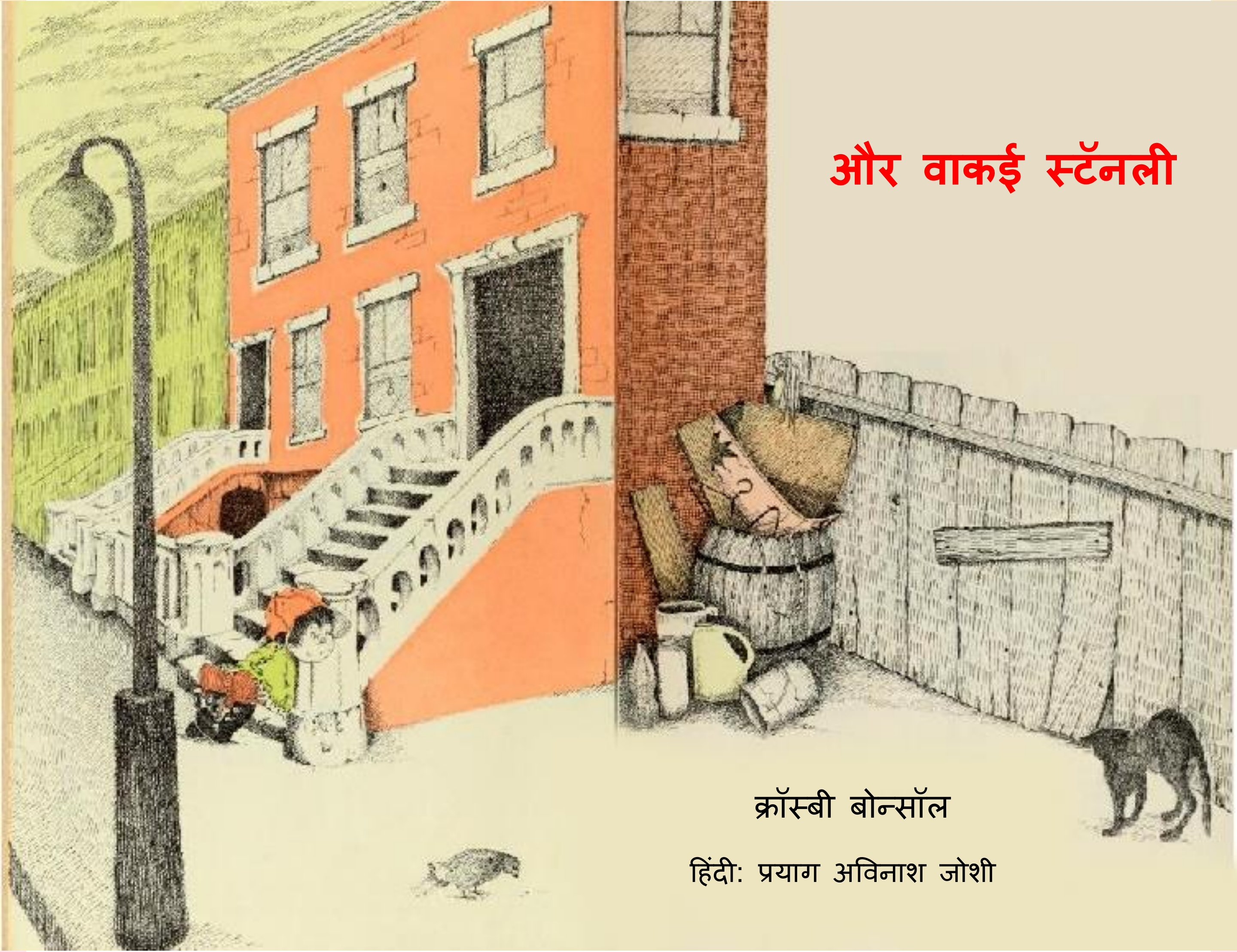
क्रॉस्बी बोन्सॉल

क्या बाड़ के पीछे कोई है? या छोटी लड़की खुद से बात कर रही है? क्या वह उस महान चीज़ की बहुत परवाह करती है जिसे वह बना रही है? या क्या वह सचमुच किसी को अपने साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रही है?

इन प्रश्नों के सभी उत्तर यहाँ रहस्य और आश्चर्य से भरे शब्दों और चित्रों में हैं। क्रॉस्बी बोन्सॉल ने एक बार फिर एक ऐसी किताब बनाई है जो शुरुआती पाठकों को पसंद आएगी, इसके आनंददायक संतोषजनक निष्कर्ष तक।



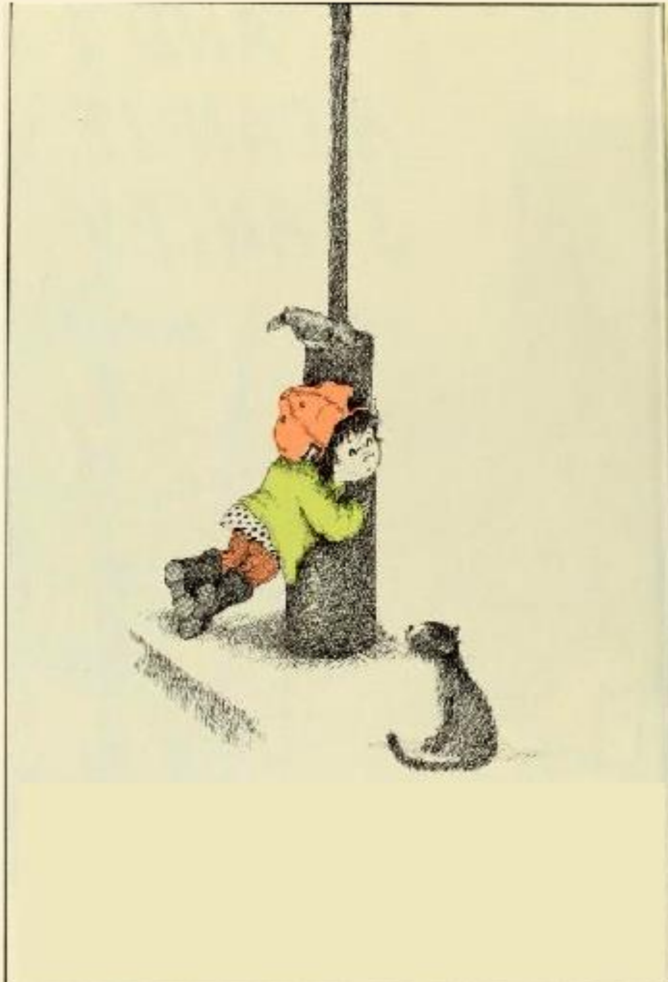
और वाकई स्टॅनली

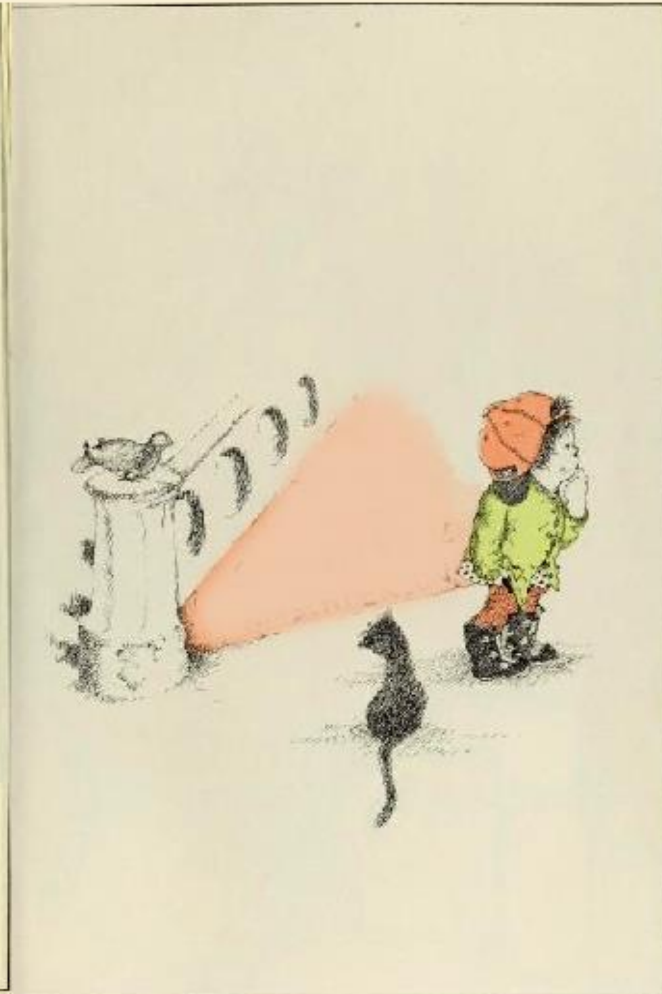


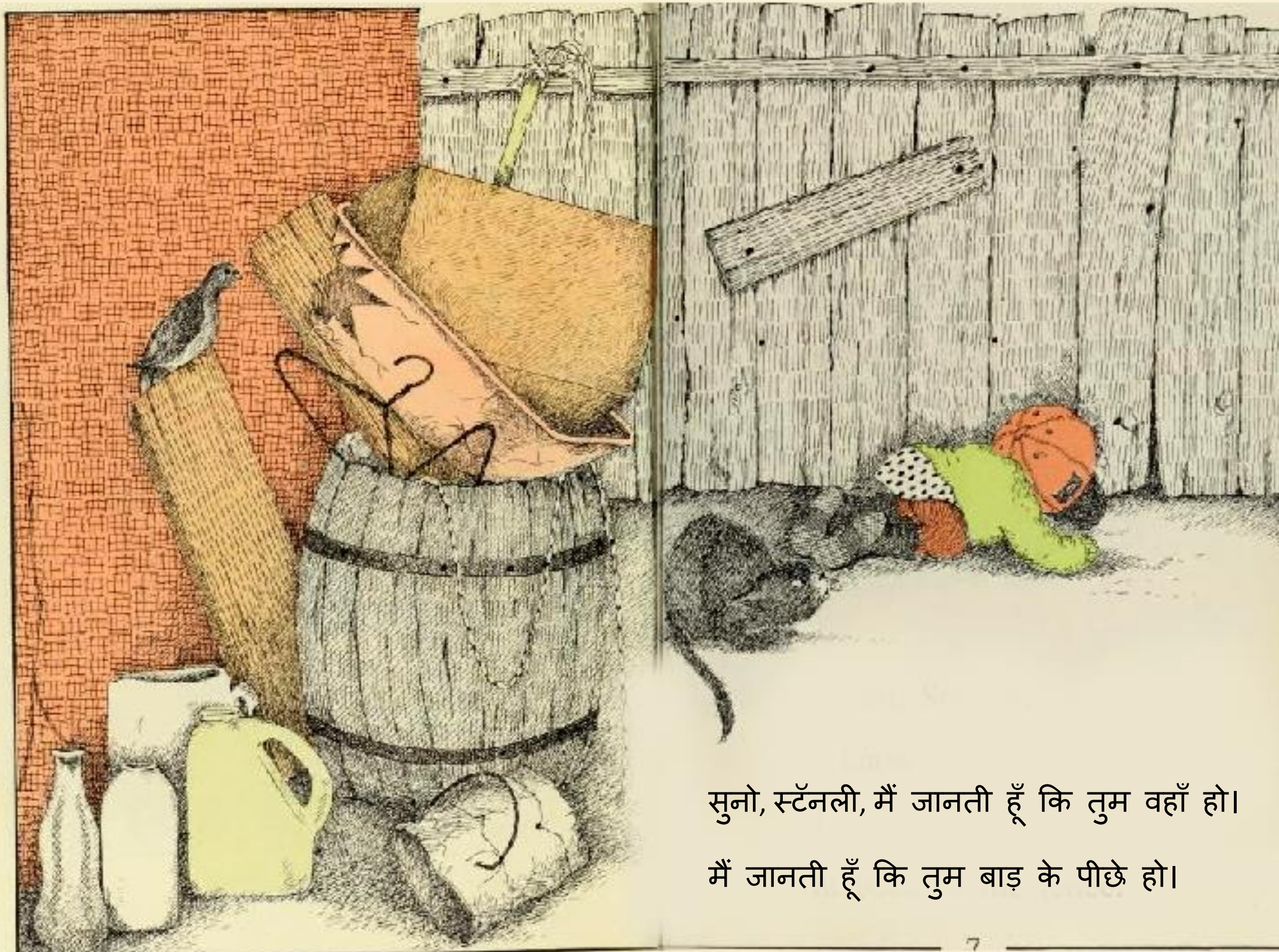
और वाकई स्टॅनली

क्रॉस्बी बोन्सॉल

हिंदी: प्रयाग अविनाश जोशी

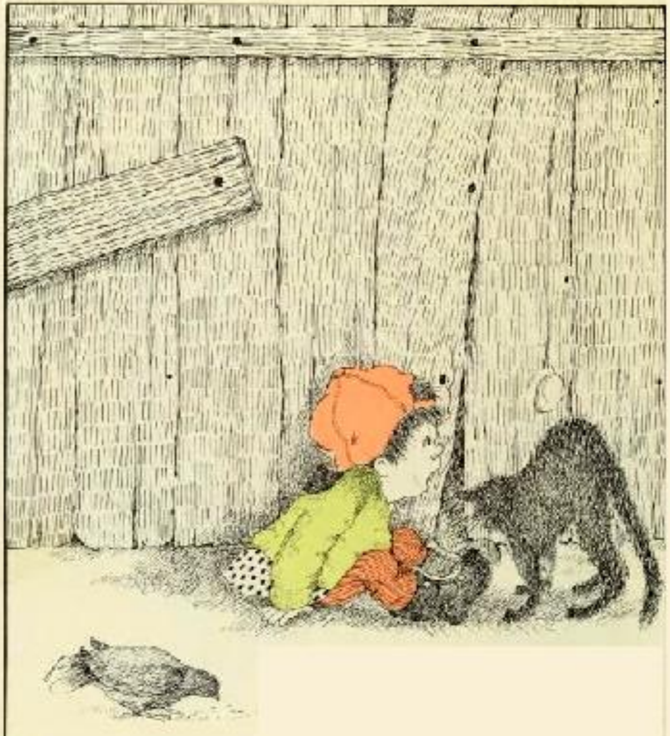




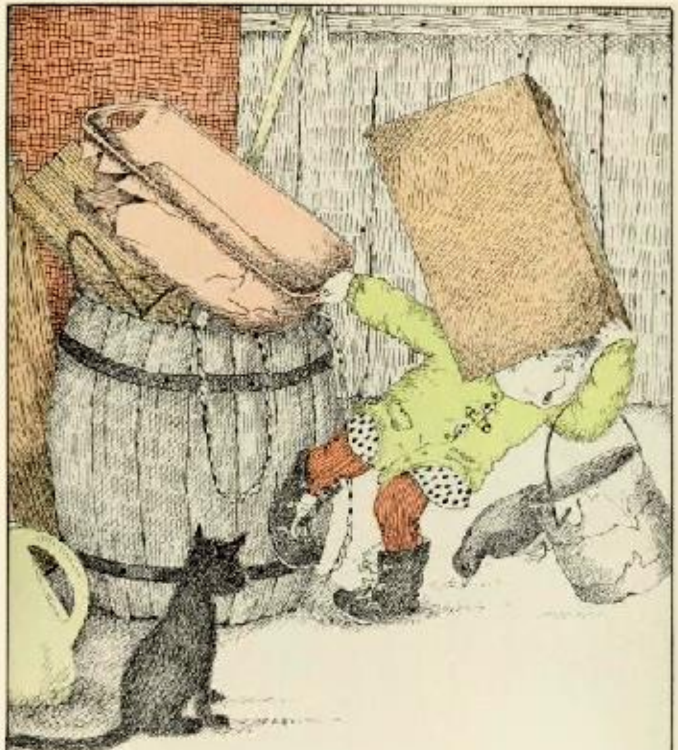


सुनो, स्टॅनली, मैं जानती हूँ कि तुम वहाँ हो।

मैं जानती हूँ कि तुम बाड़ के पीछे हो।



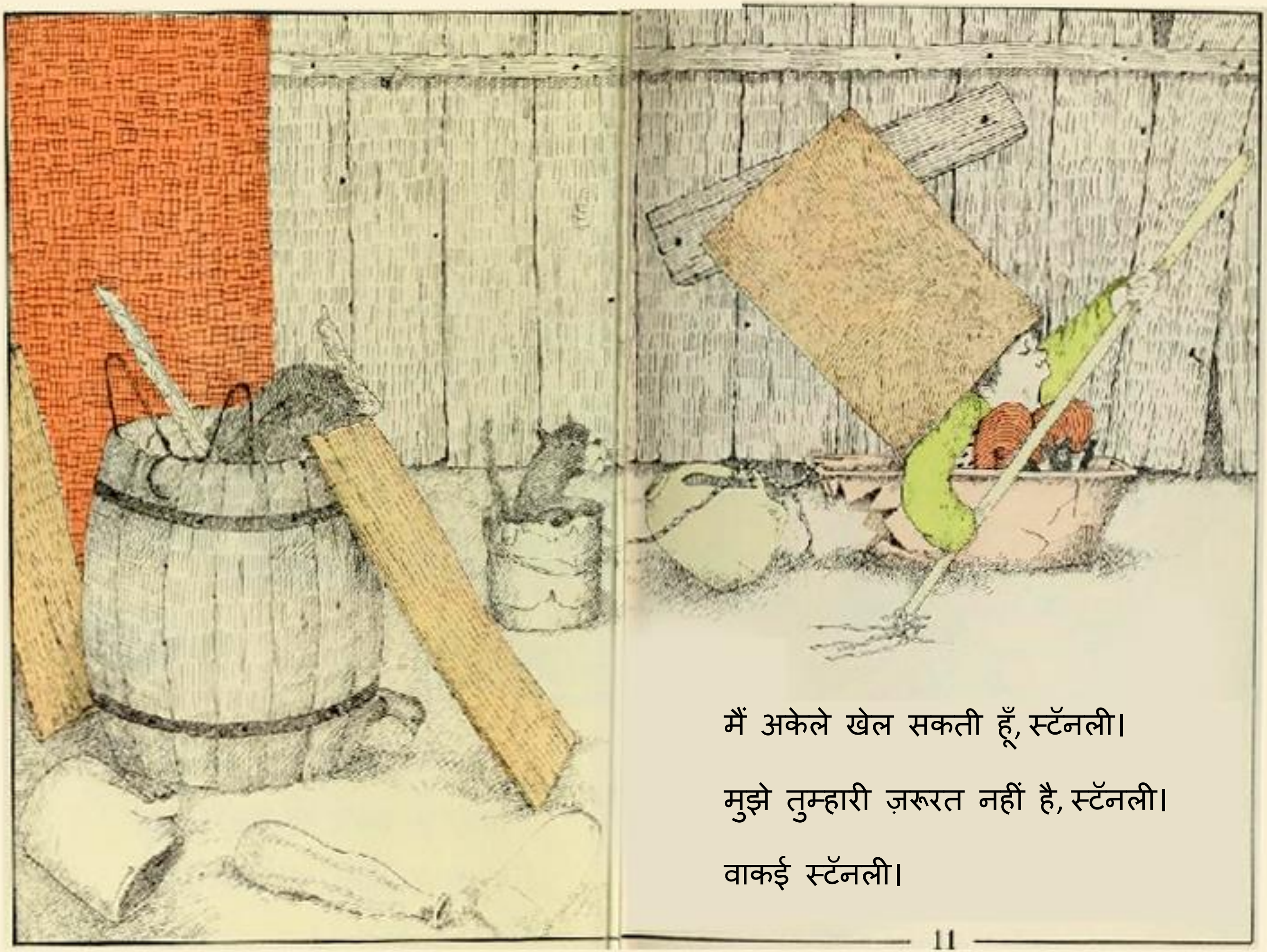
लेकिन मुझे परवाह नहीं है, स्टॅनली। मैं तुम्हारे साथ खेलना नहीं चाहती। मैं तुमसे बात नहीं करना चाहती।



तुम वहीं रहो, स्टॅनली।

बाड़ के पीछे ही रहो।

मुझे परवाह नहीं है।



मैं अकेले खेल सकती हूँ, स्टॅनली।

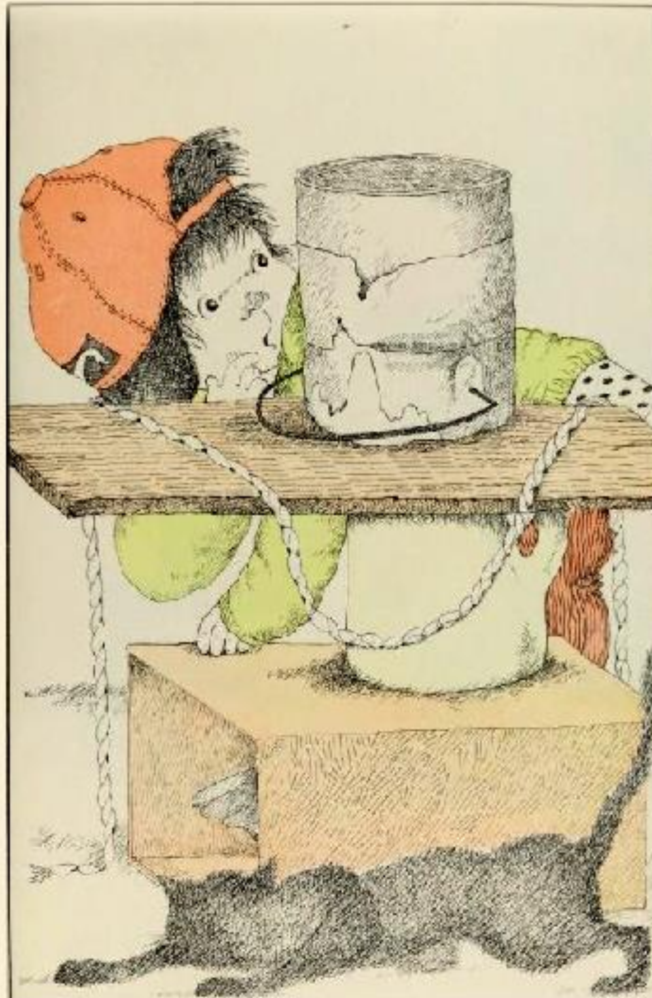
मुझे तुम्हारी ज़रूरत नहीं है, स्टॅनली।

वाकई स्टॅनली।



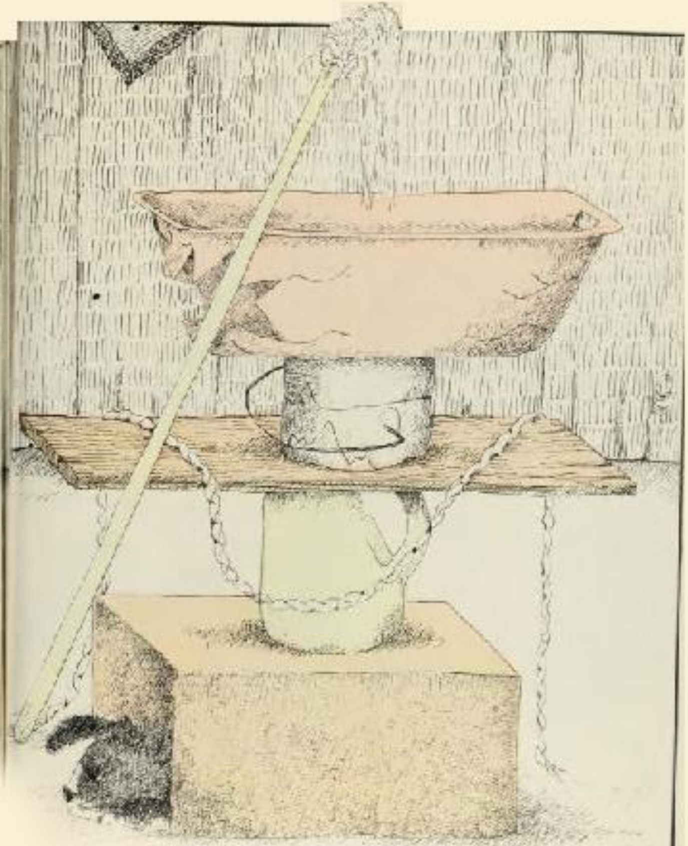
मुझे बहुत मज़ा आ रहा है।

बहुत मज़ा!





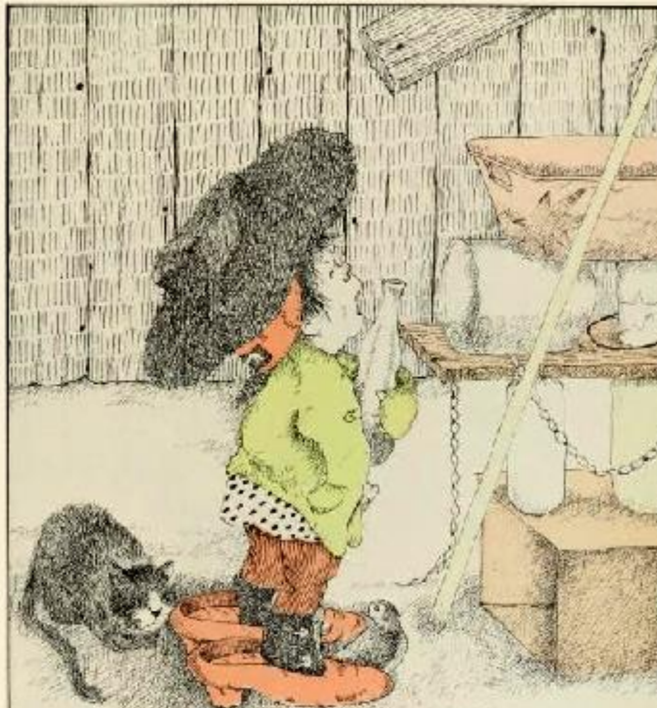
मैं एक बढ़िया चीज़ बना रही हूँ, स्टॅनली।



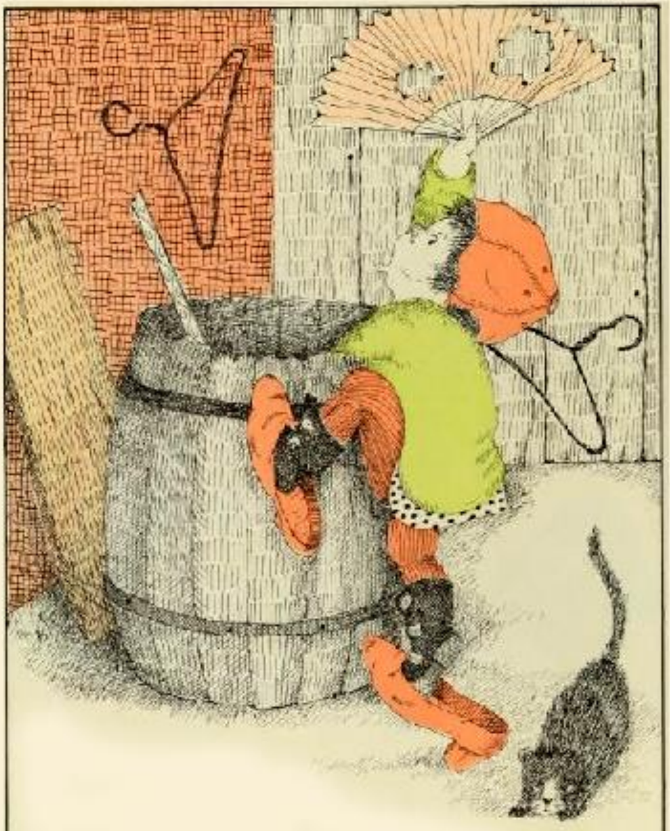
सचमुच, वास्तव में एक बहुत बढ़िया चीज़।



और जब वह बन जाएगी तब तुम जरूर
उसे देखना चाहोगे, स्टॅनली।



लेकिन तुम नहीं देख पाओगे,
मैं नहीं चाहती कि तुम उसे देखो।
वाकई स्टॅनली।



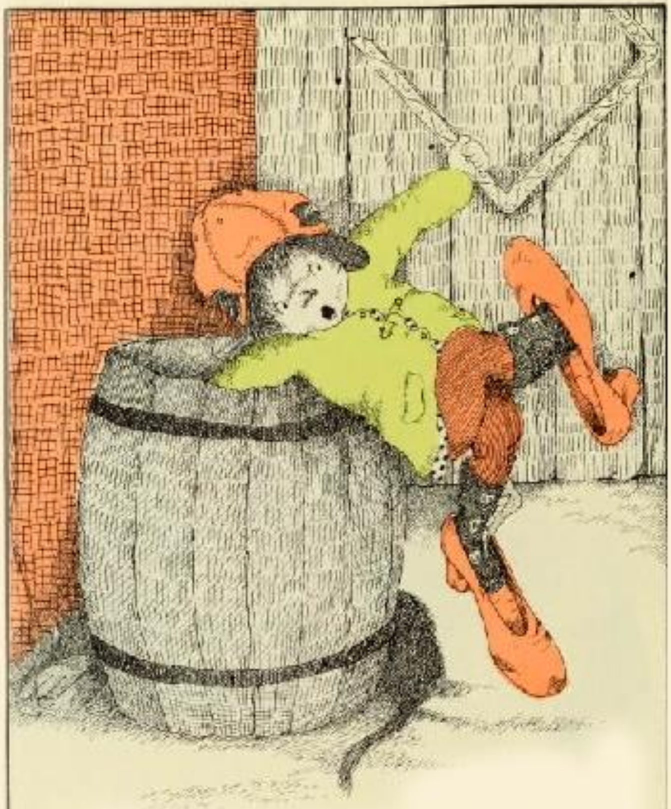
मैं नहीं चाहती कि तुम,

मैं जो बना रही हूँ उसे देखो।



तुम वहीं रहो, स्टॅनली।

तुम मत देखो।



तुम मत देखो।

झाँकना भी मत।

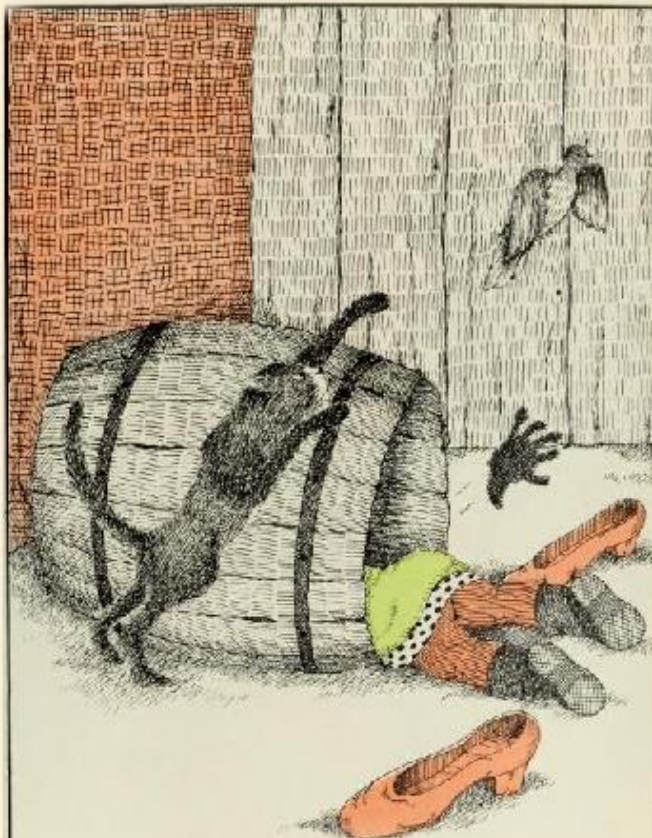


तुमने मेरी बात सुनी, स्टॅनली?



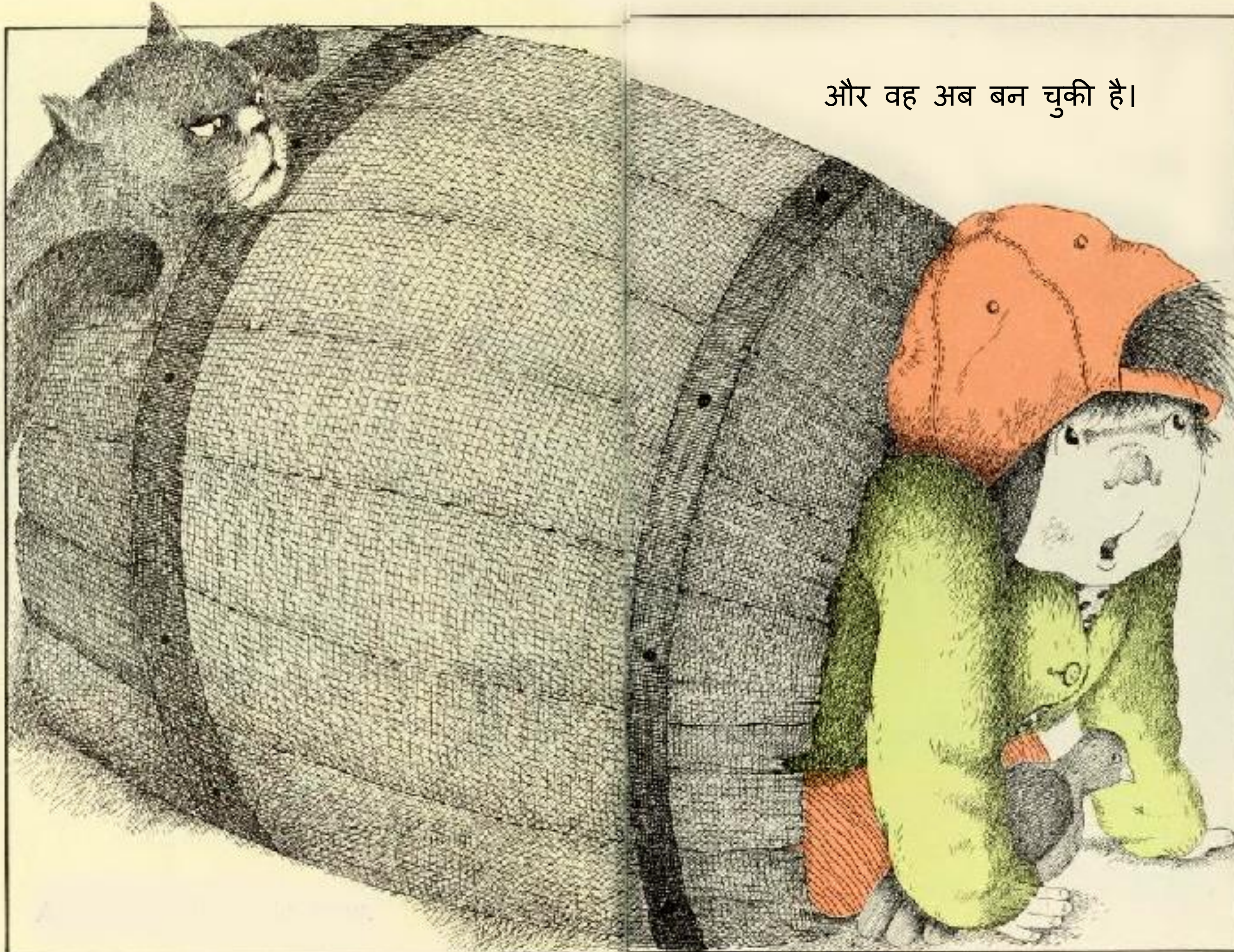
यह चीज़ जो मैं बना रही हूँ,

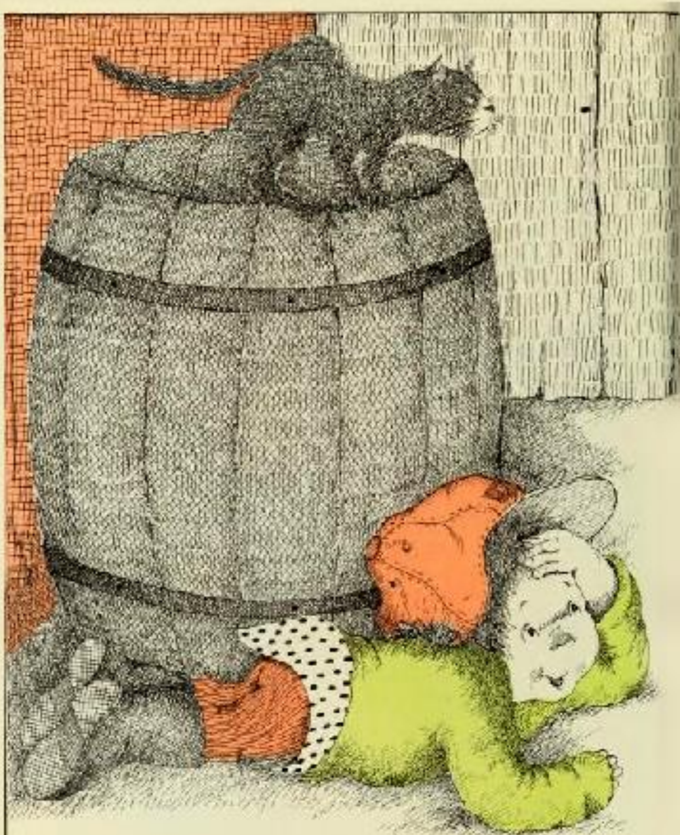
वह सचमुच बढ़िया है।



यह वास्तव में बढ़िया है, स्टॅनली।

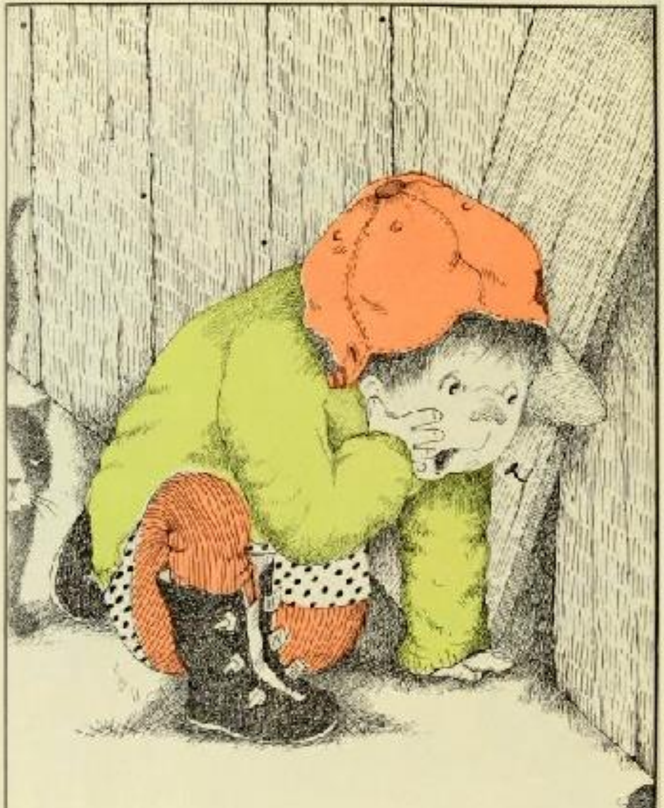
और वह अब बन चुकी है।





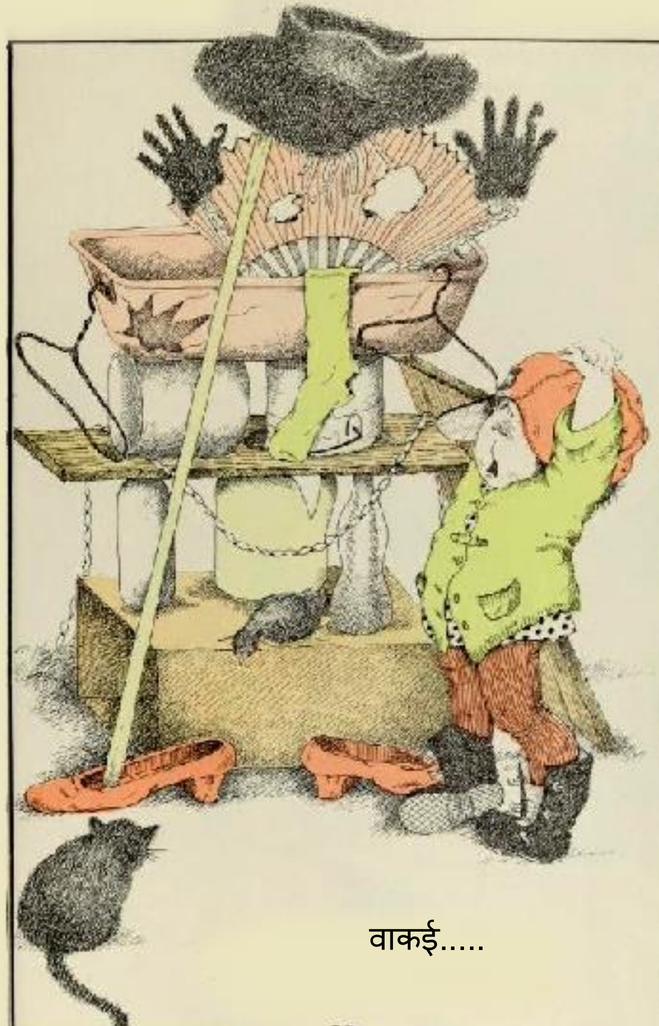


मेरी बनाई हुई वो अब तक की
सबसे बेहतरीन चीज़ है।

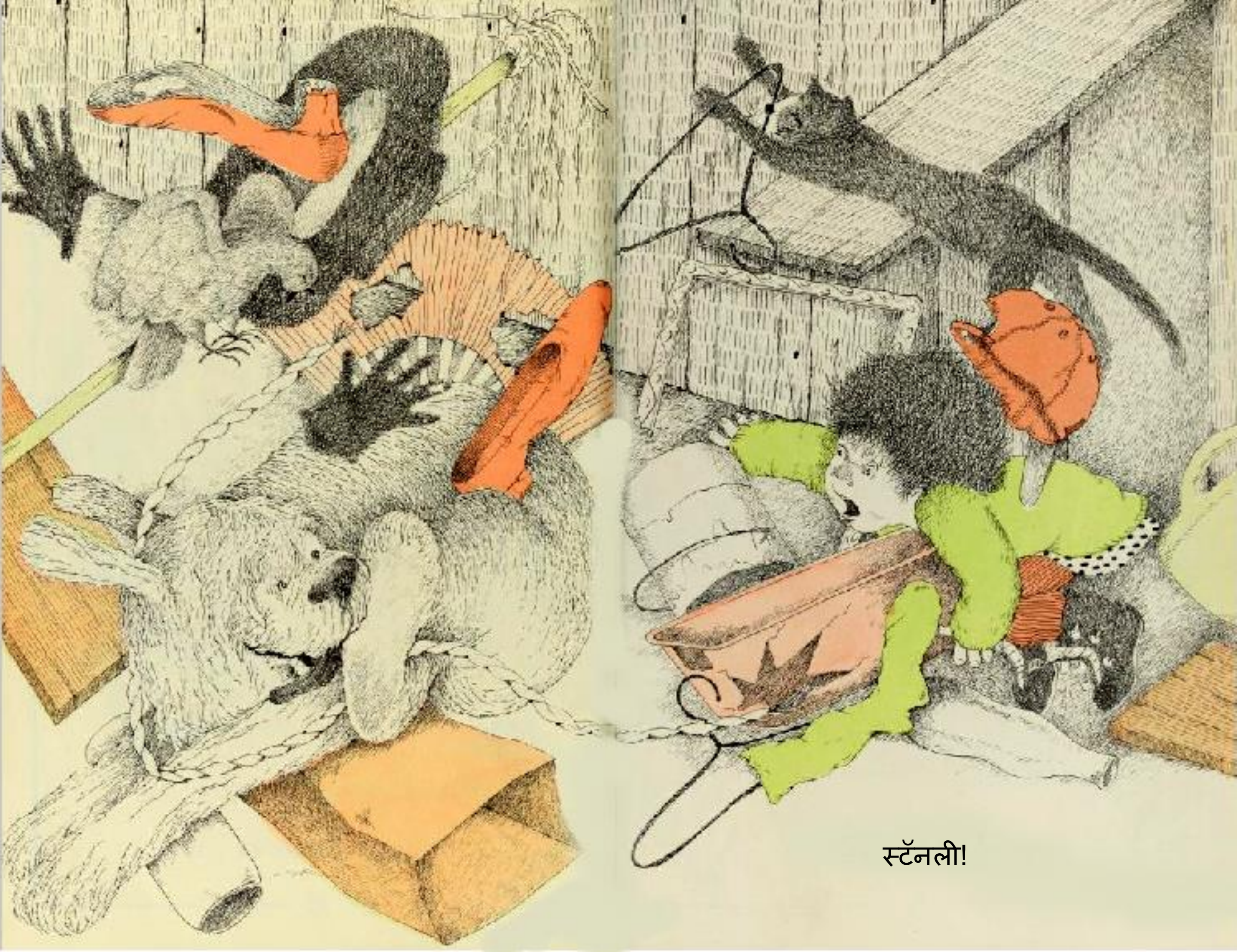


लेकिन तुम मत देखो। स्टॅनली।

मैं नहीं चाहती कि तुम उसे देखो।



वाकई.....



स्टॅनली!



ऑ, स्टॅनली।

अंत